

प्रेषक,

अतर सिंह,  
सप सचिव,  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,  
पीडी, ऊधमसिंहनगर, नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर ।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून: दिनांक: 15 फरवरी, 2006

विषय: राज्य के विभिन्न जनपदों में राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय के भवनों के निर्माण  
कार्यों हेतु वर्ष 2005-06 में धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-74/1/एस0ए0डी0/19/2005/1814, दिनांक 21.01.2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में राज्य के विभिन्न जनपदों में राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय के भवनों के निर्माण कार्य हेतु संलग्नकानुसार कुल ₹0 3,28,76,000.00 (₹0 तीन करोड़ अताईस लाख छियत्तर हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक / वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में संलग्नानुसार कुल ₹0 1,39,73,000.00 (₹0 एक करोड़ सनतालीस लाख तिहत्तर हजार मात्र) संलग्न बी0एम0 15 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों के व्यावर्तन द्वारा धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

1- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी ।

2- कार्य कराते समय लो०नि० विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये । कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा ।

3- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात निर्माण इकाई परियोजना परामर्श, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम तथा क्षेत्रीय प्रबन्धक, ए0एम0राजा कल्याण निर्माण निगम, उत्तरांचल को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा ।

4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जायेगा ।

5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित हस्त पुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं बजट मैनुअल व शासन द्वारा भित्तव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

A

- 6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक हैं। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- एक मृदा प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सामग्री प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 9- कार्य करने से पूर्व सगरस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ आवश्यक करा लें। निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 11- आगणन को जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- 12- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है।
- 13- निर्माण के समय यदि किसी कारणवश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।
- 14- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय।
- 15- उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े।
- 16- उक्त व्यय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय -02 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें आयोजनागत, 110- अस्पताल तथा औषधालय 91-जिला योजना, 01-राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालयों के भवनों का निर्माण 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न बी0एंग0 15 के कॉलम 1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
- 17- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-420/वित्त अनुभाग-3/2005 दिनांक 04.02.2006 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

गणित: संलग्नक

भवदीय,

( अतर सिंह )

उप-सचिव,



प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

महलेश्वरकार, उत्तरांचल, माजरा देरादून ।

निदेशक, कपेमागार, उत्तरांचल घमौली ।

कोषाधिकारी, मौली, ऊधमसिंगनगर, नैनीताल, पिथौरागढ़ बागेश्वर ।

जिलाधिकारी, मौली, ऊधमसिंगनगर, नैनीताल, पिथौरागढ़ बागेश्वर ।

माननिदेशक, विविध स्वारथ्य एवं परिवार कल्याण उत्तरांचल देहरादून ।

परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम,

उत्तरांचल / क्षेत्रीय प्रबन्धक, उ०प्र० समाज कल्याण निर्माण निगम, उत्तरांचल ।

जिल्ला राखिल मा० मुख्यमंत्री ।

विज्ञा अनुभाग-2/नियोजन विभाग/एन.आई.सी. ।

मार्ड फाइल ।

आज्ञा से,



(अतर सिंह)

उप सचिव

आज्ञापन सं०-427/XXXV || I-5-2005-50/2005 दिनांक 15 फरवरी, 2006 का संलग्नक  
( धनराशि लाख रु० में )

क्र०सं०	आप्लोचिकों का नाम	जनपद	निर्माण इकाई	आगणन की लागत	वर्ष 2005-06 में स्वीकृत धनराशि
1	मेरठ	घोंडी	पेयजल निगम	46.15	32.00
2	अथवा	ऊधमसिंहनगर	पेयजल निगम	39.76	20.00
3	मुरादाबाद	मैनीताल	पेयजल निगम	50.28	10.00
4	मुरादाबाद	मैनीताल	पेयजल निगम	40.52	10.00
5	मुरादाबाद	दादरवा	पेयजल निगम	52.71	29.50
6	मुरादाबाद	पिथौरागढ़	स०क०नि०	53.60	20.00
7	मुरादाबाद	पिथौरागढ़	स०क०नि०	45.74	18.23
	योग			328.76	139.73

(रु० एक करोड़ उनतालीस लाख तेहतर हजार मात्र )




(अतर सिंह)  
उप सचिव

प्रशासनिक विभाग चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण  
उत्तरांचल प्रदेश

1	2	3	4	5	6	7	8
वकट प्रविधान तथा लैवशास्त्रिक का विवरण (मानक मर)	मानक मरवार अभावधिक व्यव	वित्तिय वर्ष की शेष अवधि में	अवशेष (सरस्वत) धनराशि	लैवशास्त्रिक विवरण धनराशि को स्थानान्तरित किया जाना है (मानक मर)	पुर्न-वित्तियोजन के बाद के स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुर्न-वित्तियोजन के बाद अवशेष धनराशि (1-5)	अनुसूचित
4210-चिकित्सा तथा स्वास्थ्य पर पूंजीगत खर्च-आयोजनागत				4210-चिकित्सा तथा स्वास्थ्य पर पूंजीगत परियोजना-आयोजनागत	6	7	8
02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं				02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं			(क) वकट प्रविधान अवसरकता से अधिक होने के कारण ।
110-अस्पताल तथा औपचारिक				110-अस्पताल तथा औपचारिक			(ख) वकट प्रविधान अवसरकता से अधिक होने के कारण ।
7-बाह्य सहयोगिता				91-चिकित्सा योजना			
2-हेल्थ मिस्टम परियोजना				01-राजकीय एलास्टिक चिकित्सातयों के धनको का निर्माण			
वृहत निर्माण	100000	-	47390(क)	24-वृहत निर्माण कार्य-13973(ख)	27005	133417	
1-7390	100000	-	47390	13973	27005	133417	

किया जाता है कि उक्त वकट प्रविधान में वकट प्रविधान के फलस्वरूप 150.157.155.156 में उक्त वकट प्रविधानों एवं सीमाओं का उत्पन्न नहीं होता है ।

  
(अतः सिंह)  
उप निदेशक

उत्तरांचल शासन

विज्ञान अनुभाग

संख्या-420/

विज्ञान (वन्य जीववैज्ञान) अनु-3/2006

दस्तावेजः

दिनांकः

फरवरी, 2006

पुनर्विनिर्वाचन नवीकृत

सेवा में

महालयाकार,

उत्तरांचल (लिखा एवं हकदारी)

ओगरीच बिरुडिंग,

माजरा सहायपुर रोड, देहरादून ।

सं०-427/XXVII-5-2005-50/2005 तद्विनिर्वाक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाये, उत्तरांचल ।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल ।
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3
4. गार्ड फाइल

एनएमएमएन  
अपर सचिव

आज्ञा से,

(अतर सिंह)

उप सचिव